समस्या

ट्रैक्टर पंप तक लाना मजबूरी, खेती पर बढ़ा खर्च

जिले में नए पेट्रोल-डीजल नियम से किसान परेशान

नवभारत,नरसिंहपुर,गोटेगांव। कृषि प्रधान जिले में पेट्रोल-डीजल के नए नियम से किसानों और छोटे ठेकेदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नियम के मुताबिक अब ट्रैक्टर-वाहन को पंप पर लाने पर ही डीजल-पेट्रोल दिया जाएगा। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मिक्सर-वाइब्रेटर मशीन तक कैसे पहुंचे डीजल

किसानों का कहना है कि खेतों में काम कर रहे ट्रैक्टर को डीजल के लिए पंप तक लाने-ले जाने में ही अतिरिक्त डीजल खर्च हो रहा है। ऊपर से पंप पर भी नियमित मात्रा में ही डीजल दिया जा रहा है, जो खेती के लिए नाकाफी है। खरीफ सीजन में डीजल की किल्लत से बुवाई प्रभावित हो रही है। छोटे ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर और अर्थवर्क के उपकरणों को पंप तक लाना संभव नहीं है। इन मशीनों के लिए कैन में डीजल-पेट्रोल देना जरूरी है। रोड निर्माण में लगे वाइब्रेटर को पंप पर ले जाना अव्यावहारिक है। डीजल न मिलने से विकास कार्य भी ठप हो रहे हैं। किसानों का तर्क है कि यह नियम औद्योगिक केंद्रों के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन हमारे जिले में कोई बड़ा उद्योग नहीं है। यह कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां किसानों की जरूरत के हिसाब से डीजल-पेट्रोल की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि खेती-किसानी प्रभावित न हो। किसानों और ठेकेदारों ने जनप्रतिनिधियों से इस समस्या पर ध्यान देने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रशासन को स्थानीय परिस्थिति देखकर नियमों में छूट देनी चाहिए। डीजल-पेट्रोल की किल्लत से खरीफ सीजन की तैयारी और चल रहे निर्माण कार्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

इनका कहना है

नगर खरया पंप संचालक प्रसन्न खरया ने कहा, राजपत्र में जो प्रकाशन हुआ है, हम सभी पंप संचालक उसी का पालन कर रहे हैं। शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल का वितरण किया जा रहा है। हम अपनी मर्जी से कोई नियम नहीं बना रहे।

-प्रसन्न खरया, पंप

ग्राम पंचायत मेख में गंदगी का साम्राज्य

नवभारत,गोटेगांव। विकासखंड गोटेगांव की ग्राम पंचायत मेख में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है। नालियों की नियमित सफाई न होने से गांव में जगह-जगह गंदा पानी जमा हो रहा है। दुर्गंध और कचरे के ढेर से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सफाई पर ध्यान नहीं दे रही। नालियां कचरे से अटी हैं। पानी निकासी बंद होने से सड़कों पर गंदा पानी भर रहा है। इससे आवागमन में परेशानी हो रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। गांव में कहीं भी सोख गड्ढे नहीं बनाए गए हैं।

पिछले साल फैल चुका है हैजा

गांव में नल-जल योजना भी ठप पड़ी है। साफ पानी की व्यवस्था न होने और गंदगी के कारण डायरिया, हैजा, डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल इसी मोहल्ले में हैजा और डायरिया जैसी बीमारी फैल चुकी है। इसके बावजूद पंचायत कर्मियों द्वारा ध्यान न देना चिंताजनक है। लापरवाही से बड़ी बीमारी फैलने की आशंका है।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

ग्रामीण कई बार पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों को समस्या बता चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पंचायत की कार्यप्रणाली से गांव में नाराजगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नालियों की सफाई कराने और गांव में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि गंदगी और बीमारियों के खतरे से राहत मिल सके।

शासकीय आईटीआई में रिक्त सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित

नवभारत,नरसिंहपुर। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तेंदूखड़ा ने बताया कि शासकीय आईटीआई तेंदूखेड़ा में प्रवेश कार्य प्रारंभ है। सत्र 2026 में प्रथम चरण प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीट आरक्षित की गई है। रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर MPITICOUNSELING.CO.IN कर सकते है। संस्था में सत्र 2026-27 में प्रवेशित ट्रेड इलेक्ट्रीशियन के लिए 20 (एनसीव्हीटी), इलेक्ट्रीशियन के लिए 20 (एससीव्हीटी), फिटर के लिए 20 (एससीव्हीटी), कोपा के लिए 48 (एससीव्हीटी), स्टेनोग्राफर के लिए 24 (एससीव्हीटी) व हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर के लिए 24 (एससीव्हीटी) सीटों की संख्या रिक्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए संस्था के दूरभाष क्रमांक 07791-292266, 8827760835 पर संपर्क करें।

बिजली की आंख मिचौली से हर वर्ग परेशान

नवभारत,तेंदूखेड़ा। लगातार मेंटनेंस और सुधार कार्य के बाबजूद भी बिजली की लगातार हो रही अघोषित कटौती से हर वर्ग परेशान बना हुआ है।भीषण उमस भरी गर्मी के बीच हर वर्ग परेशान देखा जा रहा है। इसी बीच समीपी ग्राम मदनपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लंबे समय तक बिजली गुल होने के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बिजली कटौती से न केवल आम नागरिक बल्कि बेजुबान मवेशी भी पानी के लिए लिए तरस रहे हैं। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को 12 घंटों से आपूर्ति बाधित रही

लेकिन विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस लंबी अवधि के दौरान बीच-बीच में बिजली बहाल करने या रोटेशन के आधार पर आपूर्ति देने का भी कोई प्रयास नहीं किया गया है। ग्राम के प्रतिष्ठित पंकज अग्रवाल ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि बिजली न होने से सबमर्सिबल पंप और मोटर बंद पड़े हैं। जिससे घरों में पेयजल का संकट गहरा गया है। बिना पानी के मवेशी बेहाल हैं। चारे और पानी के अभाव में पशुपालक भी काफी परेशान हैं। बच्चों और बुजुर्गों की परेशानी बिना पंखे और कूलर के घरों में रुकना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं की गई और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई तो उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने स्थानीय अधिकारियों से मांग की है कि बिजली कटौती के समय कम से कम बीच-बीच में एक-दो घंटे की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि पानी की टंकी भरी जा सके और लोगों को कुछ राहत मिल सके।

विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल प्रखंड धर्माचार्य बने आचार्य पं. चंद्रकांत चौबे

नवभारत,तेंदूखेड़ा। विगत दिवस विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड तेंदूखेड़ा की बैठक टेकापार श्रीराम जानकी मंदिर में संपन्न हुई। जिसमें संगठन विस्तार युवा जागरण सनातन धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण गौ सेवा पर्यावरण संरक्षण तथा मंदिरों के जीर्णोद्धार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बैठक में विभाग सहसंयोजक बी.डी. चडार प्रखंड अध्यक्ष शिवदयाल ठाकुर प्रखंड मंत्री सालकराम पटेल प्रखंड सहमंत्री चंद्रमोहन प्रजापति तथा विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड गौ-रक्षा प्रमुख राजू सिंह राजपूत सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए बैठक में सर्वसम्मति से नगर पुरोहित आचार्य पं. चंद्रकांत चौबे को विश्व हिन्दू परिषद तेंदूखेड़ा प्रखंड का धर्माचार्य नियुक्त किया गया।

पौधरोपण के नाम पर लाखों की बर्बादी

नवभारत,गोटेगांव। पर्यावरण बचाने के दावों की हकीकत जनपद पंचायत गोटेगांव के बगासपुर से सहजपुरा-देवनगर जाने वाले पुराने सड़क मार्ग पर सामने आ गई है। यहां लाखों रुपये खर्च कर किया गया पौधारोपण अभियान पूरी तरह फेल हो गया है। सड़क के दोनों किनारे लगाए गए सैकड़ों पौधे पानी और देखरेख के अभाव में पूरी तरह सूखकर ठूंठ बन चुके हैं। हरियाली के नाम पर अब सिर्फ सूखी लकड़ियां खड़ी हैं। कई जगहों से तो पौधों का नामोनिशान ही गायब हो चुका है। पौधों की सुरक्षा के लिए लगाए गए ईंट के ट्री गार्ड भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर टूट-बिखर चुके हैं। न पानी की व्यवस्था है, न रखरखाव। स्थानीय

ग्रामीणों का आरोप है कि पौधारोपण सिर्फ फोटो खिंचवाने और कागजों में लक्ष्य पूरा करने के लिए किया गया था। पौधे लगाने के बाद संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने कभी आकर स्थिति का जायजा नहीं लिया। भीषण गर्मी में एक-एक कर सारे पौधे नष्ट हो गए और सरकारी पैसा पानी की तरह बह गया। ग्रामीणों ने कहा कि एक तरफ शासन स्तर पर 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पहले से लगाए गए पौधे देखभाल के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर नरसिंहपुर से मामले की जांच कराने की मांग की है। साथ ही शासकीय राशि का दुरुपयोग करने वाले दोषी अधिकारियों से वसूली करने और वहां दोबारा जिम्मेदारी से पौधारोपण कराने की मांग उठाई है।

एक नजर में

कलेक्टर ने विभागीय अमले और नागरिकों सहित नरसिंह मंदिर प्रांगण में विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया

नवभारत,नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने रविवार को नरसिंह मंदिर प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर विशेष ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया। आयोजित योग सत्र में जिले के अधिकारी और कर्मचारियों सहित आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग की भावना को साकार करना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रयास के अंतर्गत 14 जून को प्रात: 6ः15 बजे से 7 35 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें नरसिंहपुर जिले के लोगों ने सहभागिता की।

17 को कामधेनु गौशाला मोहद में आयोजित होगी कार्यशाला

नवभारत,नरसिंहपुर। उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ. सुनील कुमार बृजपुरिया ने कि गौशाला संचालक सम्मेलन और साईलेज गौरस एप पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला 17 जून को विकासखंड करेली के कामधेनु गौशाला मोहद में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ व पंजीयन सुबह 09 बजे से किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न सत्रों का आयोजन होगा। प्रातः 09ः30 से 10ः30 बजे तक व्हीएएस डॉ. पूनम दोहरे द्वारा गौशाला संचालकों को रिफ्रेशर व सुबह 10ः30 बजे से पशु चिकित्सक करेली डॉ. श्रेया दुबे के द्वारा साईलेज एवं गौरस एप के संबंध में तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रातः 11ः30 बजे से क्षेत्र के पशुपालकों के द्वारा अनुकरणीय और प्रेरणादायी अनुभव साझा होंगे। कार्यशाला में दोपहर 12 बजे गौपूजन किया जाएगा। इसके अलावा महाराणा प्रताप और महाराज छत्रसाल की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12ः15 बजे से क्षीरधारा ग्राम योजना के अंतर्गत विभागीय समन्वय को लेकर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित होगा। इसमें सहकारी, कृषि, आजीविका मिशन और दुग्ध शीत केंद्र के प्रबंधकों द्वारा विभागीय योजनाओं और दूध उत्पादन बढ़ाने पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जाएंगी। इसके पश्चात दोपहर एक बजे से कलेक्टर रजनी सिंह और सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के द्वारा विशेष मार्गदर्शन और जिले में गौशालाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर प्रशासनिक रूपरेखा साझा की जाएगी।

प्राकृतिक खेती विषय पर 19 एवं 20 को कार्यशाला का आयोजन होगा

नवभारत,नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 19 एवं 20 जून 2026 को जिले में दो स्थानों पर प्राकृतिक खेती विषय पर कार्याशाला का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर रजनी सिंह ने आयोजित कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों और अनुभवी व्यक्तियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यशाला में खाद्य प्रसंस्करण विशेषज्ञों, कृषकों के साथ- साथ आजीविका मिशन के समूह सदस्यों, कृषि सखी को भी आमंत्रित किया जाएगा। कार्यशाला की सम्पूर्ण व्यवस्था उप संचालक कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग नरसिंहपुर करेंगे।

कलेक्टर ने 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया

नवभारत,नरसिंहपुर। प्रदेश में नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर रजनी सिंह ने म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के प्रावधानों के तहत अधिसूचना जारी की है। जिसके तहत छोटे तालाब अथवा अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा में नहीं लाया गया है, को छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु में मत्स्यखेट पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि बंद ऋतु की अवधि में जिले में अवैधानिक मत्स्याखेट/ परिवहन/ क्रय- विक्रय आदि कार्य करते पाये जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध मप्र मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जावेगी। शासन के निर्देशों और निर्धारित नियमों के उल्लंघन करने वाले व्यक्ति की दोष सिद्धि पर उसे एक वर्ष तक के कारावास या 5 हजार रूपये तक के जुर्माना से दंडित किया जा सकेगा।

आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया

नवभारत,नरसिंहपुर। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित जन कल्याण शिविरों में दूसरे दिन भी आमजन की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं चावरपाठा तथा शहरी क्षेत्रों में नरसिंहपुर, गोटेगांव और गाडरवारा नगरपालिकाओं में शिविर आयोजित किए गए। जनपद पंचायत गोटेगांव में विधायक श्री महेन्द्र नागेश जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों से संवाद करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। शिविरों के

माध्यम से मौके पर ही हितग्राहियों को हितलाभ वितरित भी किए गए। जनपद पंचायत चांवरपाठा में विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने शासन की योजनाओं के बारे में नागरिकों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जनकल्याण शिविर का लाभ उठाएं।

पूर्व राज्यमंत्री ने बच्चों को बांटे प्रमाण पत्र

नवभारत,गोटेगांव। नगर के समीपवर्ती ग्राम बगासपुर स्थित श्री सत्यसरोवर आसन में तीन दिवसीय नि:शुल्क आवासीय किशोर संस्कार शिविर का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री भगत जालम सिंह पटेल ने विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। 12, 13 एवं 14 जून को आयोजित इस शिविर में किशोर-किशोरियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा, योग,

अनुशासन और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिदिन योगाभ्यास, प्रार्थना, संस्कार शिक्षा, प्रेरक प्रसंग, समूह चर्चा और दैनिक जीवन में अनुशासन के महत्व पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। समापन अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि बच्चों में संस्कार, चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों का विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे शिविर बच्चों को सही दिशा देते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बच्चों से माता-पिता, गुरुजनों और समाज के प्रति सम्मान का भाव रखने तथा नियमित दिनचर्या अपनाने का आह्वान किया। शिविर में शामिल बच्चों को अध्ययन सामग्री, संस्कार साहित्य एवं आवश्यक शैक्षणिक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

युवा संगम कार्यक्रम बाबई चीचली में आयोजित होगा आज

नवभारत,नरसिंहपुर। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि राज्य शासन एवं जिला प्रशासन नरसिंहपुर के निर्देशन में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जिला स्तरीय रोजगार/ अप्रेंटिसशिप और रोजगार अवसर के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 15 जून को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाबई चीचली में प्रातः 10ः30 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किए जाएंगे। विभागों के द्वारा स्वरोजगार मूलक योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके साथ- साथ विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा अभ्यर्थियों का यन कर निजी प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। जिले के विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं से कहा गया है कि वे अपनी कम्पनी, शोरूम और अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थाओं के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है तो वह भी मेला स्थल पर अपना स्टॉल लगाकर आवश्यकतानुसार बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चयन कर सकते हैं।

अन्न दान से बढ़कर कोई और दान नहीं

नवभारत,तेंदूखेड़ा। सनातन संस्कृति में दान की अपनी अलग अलग महिमा है। लेकिन अन्न दान सबसे श्रेष्ठ संतुष्टि दान है। घर में आने वाले कोई भी व्यक्ति को काफी भूखा वापस नहीं जाने देना चाहिए। और दरवाजे पर आने वाले मांगने वाले व्यक्ति को भी दान जरुर देना चाहिए। शब्दों और सम्मान का अपना एक एक दान है। घर में आने वाले व्यक्ति से प्रेम के बोल बोलने से उसकी आत्मा तृप्त हो जाये यह भी एक दान की ही श्रेणी में आता है।शब्द रुपी बोल से आत्मीयता का भाव झलकना चाहिए। अपनी बोली बोलचाल जहर ना बनें इसका ध्यान रखें। उक्त अमृत बचन देवरी राजमार्ग में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के माध्यम से पं विपिन विहारी महाराज ने व्यक्त किए। कथा के

माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए स्पष्ट किया कि हर व्यक्ति को दादी नानी मौसी बुआ बहिन और पत्नी जरुर चाहिए लेकिन बेटी किसी को नहीं चाहिए।जो व्यक्ति या डाक्टर भ्रूण में बेटी मारता है उसे गंभीर बीमारियों से ग्रसित होकर मरना पड़ता है।संगति और सत्संग पर चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि हमेशा अच्छे विचारों वाले लोगों की संगत और अच्छे संत का सत्संग कभी व्यर्थ नहीं जाता है। श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए कंस के द्वारा अपने बहिन बहनोई को कारागाह में डालने का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस घर में माता पिता के मान सम्मान और बातचीत करने से बोलना बंद करवा दिया जाये। बहिन और मां पत्नी के आंखों से आंसू गिरने लगे।आपके जाने के कारण बहिन बेटियों को रास्ता बदलना पड़े समझ लो कि कंस के लक्षण आने लगे हैं।हम अपनी बहिन की रक्षा के लिए शेर बनते हैं और दूसरे की बहिन को देखकर कुत्ता बन जाते हैं।घर में पूजा पाठ भजन कीर्तन भले ही नहीं करो लेकिन अपने व्यवहार से सभी को संतुष्टि मिले। नम्रता और लचक की जरूरत है। बड़ा आदमी बनने की बजाय भला आदमी बनों।

मेहरा समाज का सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह

नवभारत,गोटेगांव। मेहरा समाज ट्रस्ट द्वारा 28 जून दिन रविवार को आयोजित होने वाले भव्य सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह के लिए जबलपुर से आए समाज के पदाधिकारियों ने स्थानीय समाजजनों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर बगासपुर बाइपास स्थित सतीश मेहरा के आवास पर एक तात्कालिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। जबलपुर से आमंत्रण लेकर आए समाज के पदाधिकारी अतिथि भूपेन्द्र मेहरा एवं जमना प्रसाद मेहरा उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए गोटेगांव के सामाजिक बंधुओं को सादर आमंत्रित किया। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा भी की गई पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह रहेंगे।

सुलोचन के नशे की गिरफ्त में बचपन,जिम्मेदार विभागों की चुप्पी पर उठे सवाल

नवभारत,गाडरवारा,नरसिंहपुर। गाडरवारा के शहीद चौक क्षेत्र में इन दिनों एक चिंताजनक तस्वीर सामने आ रही है। सड़क किनारे कई मासूम बच्चे कथित रूप से नशीले रासायनिक पदार्थ (सुलोचन) का सेवन करते हुए देखे जा रहे हैं। हाथ में कपड़ा और उस पर लगाए गए रसायन को सूंघते हुए ये बच्चे नशे की हालत में सड़कों पर भटकते नजर आते हैं।

यह दृश्य न केवल सामाजिक संवेदनाओं को झकझोरता है, बल्कि बाल संरक्षण व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारियों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इनमें से अधिकांश बच्चे बेसहारा या अत्यंत गरीब परिवारों से जुड़े हैं। आरोप है कि कुछ तत्व इन बच्चों को कम उम्र से ही नशे का आदी बना देते हैं, जिससे वे भूख-प्यास और कठिन परिस्थितियों को

महसूस न करें तथा भीख मांगने या कबाड़ बीनने जैसे कार्यों में लगे रहें। यदि यह सच है, तो यह बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों के अनुसार ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और पुनर्वास उपलब्ध कराना प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल कल्याण समिति (CWC) की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद शहर के प्रमुख स्थानों पर यह स्थिति दिखाई देना व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। वहीं, नागरिकों का यह भी आरोप है कि जिले में नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। स्मैक, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है। समाज के विभिन्न वर्गों ने प्रशासन से मांग की है कि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

कार्यवाही की मांग

तथा नशे की चपेट में आए बच्चों और युवाओं के पुनर्वास के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि केवल कार्यवाही ही नहीं, बल्कि ऐसे बच्चों की काउंसलिंग, शिक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था भी आवश्यक है। समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इसका असर आने वाली पीढ़ी और पूरे समाज पर पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की

नर्मदा तटों की साफ सफाई की

नवभारत,तेंदूखेड़ा। नर्मदा को साफ स्वच्छ रखने और संरक्षण की दिशा में पावन तटों पर जाकर शिवा जी और शिवशक्ति क्लब द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा और अमावस्या पर स्नान करने जाने वाले श्रद्धालुओं नारियल फूल बेलपत्री और बिना उपयोग के वस्त्र तथा दूषित पानी एवं निर्माल सामग्री को मां नर्मदा जी के जल में डाल दिया जाता है। जिसके कारण अथाय जल राशि और मां नर्मदा के किनारे दूषित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में शिवाजी फाउंडेशन क्लब अध्यक्ष महेंद्र सिंह कौरव और नेशनल यूथ अवॉर्डी शिवम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया है कि बरमान से ही लगभग 20 बच्चे जुड़े हुए हैं जो प्रति रविवार मां नर्मदा जी के पावन तट सूरजकुंड घाट के साथ बरमान के सभी प्रमुख घाटों पर लगभग सुबह से 5 घंटे मेहनत करके मां नर्मदा से दूषित सामग्री को बाहर निकाल कर सफाई कार्य कर रहे हैं। नर्मदा के जल में बड़ी मात्रा में हरी शैवाल भी बहकर आ रही है। जो श्रद्धालुओं के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इन सभी दूषित सामग्रियों को बच्चों द्वारा निस्वार्थ भाव से जल से अलग निकालकर बाहर किया जा रहा है।